



SHRI BIMAL KUMAR JAIN

Shri Bimal Kumar Jain is the Founder Secretary of Bharat Vikas Viklang Nyas which has been working for the rehabilitation and empowerment of physically challenged/disabled in Bihar. As Founder Secretary of Bharat Vikas Viklang Nyas, Shri Jain has made selfless, enduring, persistent efforts dedicated to suffering humanity with vision to eradicate the problem and sufferings of physically challenged/disabled in Bihar. Under the guidance of Shri Jain, Nyas has provided more than 32000 artificial limbs and more than 8000 polio and corrective surgeries have been conducted till March 2019 free of cost, through its center Namely Bharat Vikas Viklang Punarvas Kendra & Sanjay Anand Viklang Hospital & Research Centre.

2. Born on 8th January, 1956 at Munger in Bihar, Shri Bimal Kumar Jain secured graduation from Munger, M. Com and LLB from Patna University. He served for a short period of time as Lecturer. He is well known JP movement activist and during emergency he has deeply worked against proclamation of emergency. Shri Jai Prakash Narayan stimulated and inspired him to serve the society constructively and since then he has devoted his entire life to bring positive change in the society and as such has been associated with various social causes. He has also suspended his education for one year on call of Shri Jai Prakash Narayan.

3. Shri Jain is actively associated with organ donation movement through Dadhichi Dehdan Samiti, Bihar whereby he is denouncing myths related to organ donation and spreading awareness about the same and thereby encouraging people to donate their organ for suffering humanity. His sincere efforts have created new era regarding voluntary eye (cornea) donation. Shri Jain is national secretary (sewa) of well known social and cultural organization, Bharat Vikas Parishad which organize elite, intellectuals and well to do citizens and motivate them to serve poor, disabled, illiterate and ignorant brethren not as an act of charity but in the true spirit of our cultural tradition of service as duty, through its more than 1200 branches. He was ex-chairman of Divyang Sewa of Bharat Vikas Parishad which run 13 Divyang Rehabilitation Centres throughout Bharat by which more than 20000 artificial support/limbs provided every year free cost.

4. Shri Jain has served as Member, Bihar Child Right Protection Commission; Member, Central Board for Film Certification, Govt. of India (Twice); Member, Philately Advisory Committee, Govt. of India; and is currently serving as Member, General Council, Rehabiltation Council of India; Member, Executive and Governing Council, Swami Vivekanand National Institute for Rehabilitation Training and Research (SVNIRTAR) under the Ministry of Social Justice & Empowerment, Govt. of India; Patron, Hindi Sahitya Sammelan, Bihar Chapter; Senate Member, Munger University; State President, Shri Akhil Bhartiya Digamber Jain Maha Samiti; Hony. Secretary, Sri Pawapuriji Digamber Jain Tirth Kshetra Samitti. He is also member of various other social organizations engaged into various activities aimed at upliftment of society.

5. Shri Jain is recipient of numerous awards and honours including "Man of the Year" award by American Biographical Institute, Inc., USA in 2002; "Man of the Year" award by Thakur Lal Sonu Lal Charitable Trust, Patna in 2001; "Viklang Swabhiman Samman" by Swaraj Viklang Seva Samiti, Allahabad in 2011; decorated with honor "Samaj Ratna" by Bihar Pradeshik Marwari Sammelan in 2018; "Seva Award" by the noted voluntary organization NIRMAN; felicitated by Trishla Foundation, Prayagraj.





श्री बिमल कुमार जैन

श्री बिमल कुमार जैन, बिहार के दिव्यांग/निःशक्त लोगों के पुनर्वास और सशक्तीकरण के लिए कार्य कर रहे भारत विकास विकलांग न्यास के संस्थापक सचिव हैं। भारत विकास विकलांग न्यास के संस्थापक सचिव के रूप में, श्री जैन ने बिहार के दिव्यांग/निःशक्त लोगों की समस्याओं और कष्टों को दूर करने के लिए समर्पित होकर निःस्वार्थ, सतत, और ठोस मानवतावादी प्रयास किए हैं । श्री जैन के मार्गदर्शन में न्यास ने, भारत विकास विकलांग पुनर्वास केंद्र और संजय आनंद विकलांग हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर नामक अपने केन्द्रों के माध्यम से मार्च, 2019 तक, 32000 कृत्रिम अंग निःशुल्क प्रदान किए हैं और 8000 से अधिक पोलियो और सुधारात्मक सर्जरी की हैं।

2. बिहार के मुंगेर में 8 जनवरी, 1956 को जन्मे, श्री बिमल कुमार जैन ने मुंगेर से स्नातक और पटना विश्वविद्यालय से एम. कॉम और एलएलबी की शिक्षा प्राप्त की। उन्होंने थोड़े समय के लिए व्याख्याता के रूप में भी काम किया। वे जेपी आंदोलन के जानेमाने कार्यकर्ता हैं और उन्होंने आपातकाल के विरोध में आवाज उठाई थी। श्री जय प्रकाश नारायण ने उन्हे समाज सेवा के लिए प्रेरित किया। तभी से उन्होंने समाज में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया और इसी उद्देश्य से अनेक सामाजिक कार्यों से जुड़े रहे हैं। उन्होंने श्री जय प्रकाश नारायण के आह्वान पर एक वर्ष के लिए अपनी शिक्षा को स्थगित कर दिया था ।

3. श्री जैन, बिहार की दधीचि देहदान समिति के माध्यम से अंग दान आंदोलन से सक्रिय रूप से जुड़े हुए हैं। वह देहदान से जुड़े मिथकों को तोड़ रहे हैं और इसके बारे में लोगों में जागरूकता पैदा कर रहे हैं और दुख झेल रहे लोगों के लिए अंग दान करने के लिए प्रेरित कर रहे हैं। उनके ईमानदार प्रयासों की वजह से स्वैच्छिक नेत्रदान (कॉर्निया) के प्रति एक नई जागरूकता आई है। श्री जैन एक प्रसिद्ध सामाजिक और सांस्कृतिक संगठन भारत विकास परिषद के राष्ट्रीय सचिव (सेवा) हैं जो अपनी 1200 से अधिक शाखाओं के द्वारा गरीब, निःशक्त, निरक्षर और उपेक्षित भाइयों–बहनों की सेवा करने के लिए संभ्रांत, प्रबुद्ध और धनी लोगों को एकजुट और प्रेरित करता है। इसके अनुसार, सेवा भावना, भिक्षा प्रवृत्ति नहीं बल्कि हमारी सांस्कृतिक परंपरा है। वह, पूरे भारत में 13 दिव्यांग पुनर्वास केन्द्रों का संचालन करने और प्रत्येक वर्ष निःशुल्क 20000 से अधिक कृत्रिम सहायता/अंग प्रदान करने वाले भारत विकास परिषद के दिव्यांग सेवा संस्था के भूतपूर्व अध्यक्ष हैं ।

4. श्री जैन, बिहार बाल अधिकार संरक्षण आयोग, केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड, भारत सरकार (दो बार); डाक टिकट संग्रह सलाहकार समिति, भारत सरकार के सदस्य रहे हैं। वर्तमान में, वह भारतीय पुनर्वास परिषद, आम परिषद के सदस्य, सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार के अधीन स्वामी विवेकानन्द राष्ट्रीय पुनर्वास प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान के कार्यकारी और शासी परिषद के सदस्य, हिन्दी साहित्य सम्मेलन, बिहार शाखा के संरक्षक, मुंगेर विश्वविद्यालय के सीनेट सदस्य, श्री अखिल भारतीय दिगंबर जैन महासमिति के राज्य अध्यक्ष, श्री पावापुरीजी दिगंबर जैन तीर्थंकर क्षेत्र समिति के मानद सचिव हैं। वह समाज के उत्थान के उद्देश्य से विभिन्न गतिविधियों में संलग्न विभिन्न सामाजिक संगठनों के सदस्य भी हैं।

5. श्री जैन को अनेक पुरस्कार और सम्मान प्राप्त हुए हैं, जिनमें वर्ष 2002 में अमेरिकन बायोग्राफिकल इंस्टीट्यूट, इंक. यूएसए द्वारा ''मैन ऑफ द ईयर'' पुरस्कार; वर्ष 2001 में ठाकुर लाल सोनू लाल चौरिटेबल ट्रस्ट, पटना द्वारा ''मैन ऑफ द ईयर'' पुरस्कार; वर्ष 2011 में स्वराज विकलांग सेवा समिति, इलाहाबाद द्वारा ''विकलांग स्वाभिमान सम्मान''; वर्ष 2018 में बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन द्वारा "समाज रत्न"; प्रसिद्ध स्वैच्छिक संगठन निर्माण द्वारा ''सेवा पुरस्कार''; त्रिशला फाउंडेशन, प्रयागराज द्वारा दिया गया सम्मान शामिल हैं ।